.मानव तस्करी. चलेगा स्पीडी ट्रायल, पंचायतों को निभानी होगी भूमिका

बच्चों की सुरक्षा बड़ी चुनौती

संवाददाता ■ पटना

हर वह बच्चा, जिससे मजदूरी कराया जाता है, रोज अपनी आजादी का सपना देखता है, मजबूरीवश चुप रहता है व प्रताड़ित होता है. ऐसे हर एक बच्चे की सुरक्षा हमारे लिए चुनौती है. यह सिर्फ सरकार का दायित्व नहीं है. बिहार व ओड़िशा से सबसे अधिक बच्चे व बच्चियां अन्य राज्यों में विभिन्न क्षेत्रों में काम करने जाते हैं.

बच्चों की सुरक्षा में पंचायतों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है. हर पंचायत में वहां के बच्चों के नामों की सूची होनी चाहिए. माह में एक बार इन बच्चों की जानकारी लेनी चाहिए कि वे कहां व किस हालत में हैं. गुम हुए बच्चे की खोजबीन होनी चाहिए. बिहार मानव तस्करी के मामले में स्पीडी ट्रायल चला कर दोषियों को सजा दिलाने की योजना बनायी जा रही है. मानव तस्करी के मुख्य कारणों में गरीबी, शिक्षा की कमी, प्राकृतिक आपदा, परिवार के मुखिया का निधन, प्रशासनिक अक्षमता, भ्रष्टाचार आदि हैं. मौके पर बिहार बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष निशा झा, यूनिसेफ के क्षेत्रीय पदाधिकारी यामीन मजूमदार, पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार श्रीवास्तव, योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव विजय प्रकाश आदि ने विचार व्यक्त किये.

कार्यशाला का उद्घाटन करतीं शांता सिन्हा. फोटो : प्रभात खबर

'मानव तस्करी के विभिन्न आयाम : सत्ता व समाज की समाधानकारी भूमिका' पर कार्यशाला शुरू

तस्करी पर अंकुश लगा कर देश को एक दिशा दे सकता है. ये बातें राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष शांता सिन्हा ने विधान परिषद के सभागार में 'मानव तस्करी के विभिन्न आयाम : सत्ता व समाज की समाधानकारी भूमिका' विषय पर गुरुवार को शुरू हुई दो दिवसीय कार्यशाला में कहीं. समाज कल्याण मंत्री परवीन अमानुल्लाह ने कहा कि मानव